उत्तर प्रदेश गौरैया दिवस

हमारी नन्ही और प्यारी गौरैया

www.sparrowup.co.in

गौरैया क्या है

गौरैया (*Passer domesticus*) एक छोटी चिड़िया है, जिसके पंख अधिकतर काले या धूसर रंग के होते हैं। इसका सिर गोल, पूँछ छोटी व चोंच चौड़ी एवं नुकीली होती है। इसका मनुष्य के वास स्थानों से प्रबल सम्बन्ध रहा है।

गौरैया लुप्त होती जा रही है क्योंकि

- गौरैया हमारे साथ रहना चाहती है परन्तु आजकल के आधुनिक घरों में घोसले बनाने की जगह नहीं रहती है।
- गौरैया काकून, बाजरा, धान, पके हुए चावल के दाने इत्यादि खाती है। अत्याधुनिक शहरीकरण के कारण उसके प्राकृतिक भोजन के स्रोत समाप्त हो रहे हैं।
- प्राकृतिक परभक्षी जैसे बिल्लयॉ, कौए, चील और बाज इत्यादि भी गौरैया की मृत्यु का कारण होते हैं।
- छोटे पेड़ एवं झाड़ियॉ काटे जाने से भी इसके प्रजनन में बाधा होती है। गौरैया बबुल, कनेर, नीबू, अमरूद, अनार, मेंहदी, बॉस, बोतल ब्रश, चॉदनी इत्यादि पेड़ों को पसन्द कर करती है।
- हजारों मोबाइल फोन के टावर शहरों व गॉवों में लगाए जा रहे हैं, जो कि गौरैया के लिये प्रमुख खतरा हैं। इलेक्ट्रो मैगनेटिक किरणें उनको उत्तेजित करती है व उनकी प्रजनन छमता को कम करती है।

हम गौरैया को क्यों बचाएं

- गौरैया और हमारा बचपन से सम्बन्ध है। गौरैया वह चिड़िया है जिसके बारे में माँ ने सबसे पहले हमें बताया था।
- गौरैया घरों में मौजूद कीड़े–मकोड़ों को भी खत्म करने में मदद करती है।
- गौरैया हमारे पर्यावरण की स्थिति को भी बताती है। गौरैया का कम होना हमारे पर्यावरण के खराब होने का भी संकेत है।
- गौरैया अपने बच्चों को अल्फा एवं कटवर्म खिलाती है। अल्फा एवं कटवर्म ऐसे कीट हैं जो हमारे फसलों को नुकसान भी पहुंचाते हैं।

हम गौरैया को कैसे बचाएं

- हम अपने घरों में बने घोसलों का संरक्षण करें एवं गौरैया के लिये खाने व पानी की व्यवस्था करें।
- हम अपने बगीचे व घरों में गौरैया के रहने के लिये गौरैया बाक्स लगाएं। यह बाक्स लकड़ी का बन सकता है।
- हम शिक्षा के माध्यम से लोगों में इसके बचाव के लिये जागरूकता लाएं।
- हम 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस के रूप में प्रतिवर्ष धूमधाम से मनाएं।
- कीट–नाशकों के प्रयोग पर रोक लगाएं।
- प्रजनन के समय अण्डों की सुरक्षा व दाने पानी की उचित व्यवस्था करें।

कैसे बनायें गौरैया नेस्ट बाक्स

- गौरैया बाक्स की लम्बाई लगभग 15 सेन्टी मीटर होनी चाहिये।
- गौरैया बाक्स की चौड़ाई लगभग 15 सेन्टी मीटर होनी चाहिये।
- गौरैया बाक्स की उॅचाई लगभग 25 सेन्टी मीटर होनी चाहिये।
- गौरैया बाक्स के छिद्र की तल से ऊँचाई लगभग 16 सेन्टी मीटर होनी चाहिये।
- गौरैया बाक्स जमीन से 2 मीटर उॅचाई पर लगाया जाना चाहिये।
- गौरैया बाक्स का छिद्र 32 मिली मीटर गोलाई का होना चाहिये। इससे छोटा होने पर गौरैया के प्रयोग योग्य नहीं रहेगा और बड़ा होने पर अन्य पक्षी प्रयोग में लेंगे।
- बक्से के निचलें भाग में 5–6 छोटे–छोटे छेद (2 मि0मी0) कर दें ताकि हवा का प्रवाह रहे और तरल पदार्थ बह निकलें। साइड का पल्ला कब्जे पर बनाये जाने की स्थिति में आवश्यकतानुसार बक्से को साफ किया जा सकता है, किन्तु यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि पल्ला बहुत अच्छी तरह बन्द रहे अन्यथा परभक्षी बक्से के अन्दर प्रवेश करेगें।
- गौरैया बाक्स को नीचे दिये गये चित्र के अनुसार बनाना चाहिये।

वन विभाग, उत्तर प्रदेश